यूको मासिकी - वाराणसी अंचल

वर्ष - 3 * अंक - 1 * फरवरी, 2021 - मार्च, 2021 (संयुक्तांक)

तमसो मा ज्योतिर्गमय

संरक्षक
श्री घनश्याम परमार
सहायक महाप्रबंधक
एवं
अंचल प्रमुख

संपादक मण्डल
श्री एस के सिन्हा
उप अंचल प्रमुख

वेद प्रकाश
मुख्य प्रबंधक

सुश्री पूनम कुमारी प्रसाद
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

संपादन
सुश्री पूनम कुमारी प्रसाद
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

इस अंक में........

क्र.	विवरण	पृ. सं.
1	अंचल प्रमुख का संदेश	3
2	संपादकीय	4
3	वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु वार्षिक कार्यक्रम	5
4	ऑटो एवं प्रॉपर्टी एक्सपो - 2021	6-7
5	यूको बैंक जी. डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला 2020-21	8-10
6	हे दयानिधे! रथ रोको अब (कविता)	11
7	माधोपट्टी गाँव	12
8	कारोबारी गतिविधियॉ	13
9	मैं बुद्ध होना चाहती हूँ (कविता)	14
10	बैंकिंग उत्पाद - गो ग्रीन - गो डिजिटल	15
11	विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली	16-17
12	व्यक्ति विशेष - अधिवक्ता आचार्य पंडित श्यामजी उपाध्याय	18-19
13	यूको राजभाषा सम्मान एवं यूको मातृभाषा सम्मान 2020-21	20-21

संपर्क सूत्र
यूको बैंक, अंचल कार्यालय, वाराणसी,
धनश्री कॉम्प्लेक्स, प्रथम तल, डी - 63/8 1एम,
मौज़ा - तुलसीपुर, महमूरगंज, वाराणसी 221010
दूरभाष: 0542-2223323 ई-मेल: zo.varanasi@ucobank.co.in

पत्रिका में प्रकाशित विचार संबंधित रचनाकारों के अपने विचार है, उनसे संपादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

यूको मासिकी - वाराणसी अंचल का प्रकाशन हमारी मातृ संस्था यूको बैंक, वाराणसी अंचल में एवं विश्व पटल पर प्रतिमाह घटित नवीन गतिविधियों एवं उपलब्धियों से सभी यूकोजन को अवगत कराने के लिए किया जा रहा है। हम आशा करते हैं कि यूको मासिकी - वाराणसी अंचल को सफल बनाने में वाराणसी अंचलाधीन सभी स्टाफ सदस्य सक्रिय रूप से अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

अंचल प्रमुख का संदेश

घनश्याम परमार
सहायक महाप्रबंधक
एवं
अंचल प्रमुख

प्रिय साथियो,

साथियो हम वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रवेश कर चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 में हमारा प्रदर्शन सराहनीय रहा है। हमने सभी पैरामीटर हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में हमें विगत वर्ष की तुलना में दुगने उत्साह एवं जोश के साथ कार्य करना है। अंचल हेतु विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

यूको मासिकी, वाराणसी अंचल का फरवरी, 202 - मार्च, 2021 माह के संयुक्तांक में वाराणसी अंचल की विविध गतिविधियों एवं परंपराओं की झलक समाहित है।

साथियो कोरोना वायरस से फैले रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए हमें अपनी सुरक्षा के साथ - साथ समाज को भी इस गंभीर परिस्थिति में सहयोग करना है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन शाखा स्तर पर शत प्रतिशत सुनिश्चित करें। शाखा परिसर एवं एटीएम की साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। स्टाफ सदस्य मास्क पहनना, सेनिटाइजर का उपयोग, सामाजिक दूरी एवं अन्य सावधानियों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी स्टाफ सदस्य कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु अनिवार्य रूप से टीका लगवाना सुनिश्चित करें।

शाखाएं दैनिक आधार पर एसजीएनपीए सूची में शमिल ऋण खातों में वसूली सुनिश्चित करें। रिटेल ऋण, एमएसएमई ऋण एवं कासा जमा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। एनडीएनडी योजना के तहत सभी योग्य अनर्जक ऋण खातों का निपटान दिनांक 30.06.2021 तक सुनिश्चित करें। यूको संजीवनी एवं यूको आरोग्यम (एमएसएमई) के तहत एवं यूको कवच (रिटेल) योजना के तहत अधिकतम संख्या में ऋण प्रदान कर योजनाओं को सफल बनाना सुनिश्चित करें।

शाखाएं सभी ग्राहकों को बैंक के डिजिटल उत्पादों में पंजीकृत कराना सुनिश्चित करें। सभी लम्बित एडीसी मामलों का त्वरित निपटान सुनिश्चित करें। यह समय बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए उपर्युक्त है, अतः हमें अधिकतम संख्या में हेल्थ इंश्योरेंस (केयर)/लाइफ इंश्योरेंस (एसबीआई) को बढ़ावा देकर गैर वित्तीय आय का अर्जन करना है। दिनांक 04.03.2021 से 04.06.2021 तक आयोजित “GO GREEN” योजना के तहत सभी लंबित खातों में मोबाइल संख्या एवं ई मेल आईडी पंजीकृत करना सुनिश्चित करें। “डोर स्टेप बैंकिंग” योजना के तहत अधिकतम संख्या में ग्राहकों को पंजीकृत करना सुनिश्चित करें।

कोरोना महामारी के समय आपके एवं आपके परिवार के सदैव स्वस्थ रहने की कामना करता हूँ।

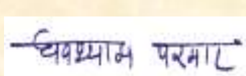

(घनश्याम परमार)
सहायक महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

पूनम कुमारी प्रसाद
वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा

संपादकीय

साथियो,

“यूको मासिकी - वाराणसी अंचल” का फरवरी, 2021 - मार्च, 2021 माह का संयुक्तांक आपको समर्पित है। इस अंक में ऑटो एवं प्रॉपर्टी एक्सपो-2021 में यूको बैंक की शानदार उपस्थिति, यूको बैंक जी.डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला 2020-21, यूको राजभाषा सम्मान एवं यूको मातृभाषा सम्मान 2020-21 की झलक के साथ- साथ जौनपुर जनपद स्थित माधोपट्टी गाँव की अनोखी विशेषता एवं वाराणसी की विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली पर संक्षिप्त प्रस्तुती है।

साथियो कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण हमारे समक्ष अपने आस्तित्व रक्षा का प्रश्न खड़ा हो गया है। प्रत्येक स्टाफ एवं आपके परिवार की सुरक्षा वर्तमान परिस्थितियों में बैंक की प्राथमिकता है। सभी स्टाफ कोरोना से बचाव हेतु टीका लगवाना सुनिश्चित करें।

लॉकडाउन के कारण हमें सरकार द्वारा लागू पाबंदियों के बीच भी बैंकिंग कारोबार को जारी रखना है। संक्रमण से बचाव हेतु हमें अपने दैनिक जीवन में पूर्व की भांति सभी सावधानियों का यथावत पालन करते रहना चाहिए। शाखाओं में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों को विशेष ध्यान रखना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित...........

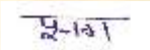

(पूनम कुमारी प्रसाद)
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु वार्षिक कार्यक्रम

संघ की राजभाषा नीति

- मंत्रालयों/ विभागों द्वारा राजभाषा से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कंप्यूटरों में हिंदी में काम करने हेतु शत-प्रतिशत सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा अंतर मंत्रालयों /अंतर विभागीय पत्राचारों के साथ-साथ गैर सरकारी संगठनों के साथ किए जाने वाले पत्राचारों में ई-मेल /इलेक्ट्रॉनिक संदेशों आदि में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए।
- तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन सिस्टम द्वारा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 30 के भीतर राजभाषा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए। इसी प्रकार वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट 30 जून तक अवश्य उपलब्ध करवा दी जाएं। केंद्र सरकार के सभी कार्यालय /उपक्रमों /बैंकों से अपेक्षित है कि आगे से राजभाषा विभाग को ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से ही तिमाही प्रगति रिपोर्ट व वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट भेजें। यह सिस्टम विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध है।

बैंकिंग शब्दावली

मूल बिल	Parent bill
अनैच्छिक भुगतान	Involuntary payment
उपभोग अलाभकरता	Diseconomies of consumption
बनाए रखने लायक वित्तीय स्थिति, वित्तीय धारणीयता	Financial sustainability
देय राशियों का परिशोधन	Amortization of dues
मूल्यानुसार कर	ad valorem tax
नकद या वस्तु रूप में	In cash or in kind
बंद छोरवाली योजना, सीमित अवधि वाली योजना	Close ended scheme
कार्य व्याप्ति	Functional coverage
रातों रात लाभ कमाने के इच्छुक व्यक्ति/संस्था	Fly- by- night operator
परिवर्धन - अपमार्जन	additions - deletions

बैंकिंग टिप्पणी

अपेक्षित दस्तावेज प्राप्त हो गया है और फाइल प्रक्रियाधीन है	The desired document has been received and file is under process.
आपकी सावधि जमा के नवीकरण का समय हो गया है	Your term deposit receipt is due for renewal.
आरटीआई मामलों में अपील प्राधिकारी प्रत्येक प्रभाग के अध्यक्ष होते हैं	The appellate authority in RTI matters is Head of every division.
जहाँ तक राशि की मंजूरी का संबंध है, कोई जवाबदेही नहीं होगी	There is no accountability as far as amount sanction is concerned
राशि आपके खाते में जमा कर दी जाएगी	Amount will be credited to your account

ऑटो एवं प्रॉपर्टी एक्सपो - 2021

दिनांक 5, 6 एवं 7 मार्च, 2021 को दैनिक जागरण समूह द्वारा वाराणसी के कैंटोंमेंट ग्राउंड पर ऑटो एवं प्रॉपर्टी एक्सपो - 2021 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वाराणसी नगर स्थित ऑटो एवं प्रॉपर्टी उद्योग से जुडे व्यापारी शामिल हुए थे।

वाराणसी नगर स्थित सभी बैंकों ने तीन दिवसीय कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की थी। यूको बैंक, अंचल कार्यालय, वाराणसी ने भी यूको बैंक के उत्पादों के विज्ञापन हेतु स्टाल लगाया था। कार्यक्रम के दौरान व्यापारी समूहों से यूको बैंक को सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

श्री रविंद्र जैसवाल, मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा यूको बैंक को एक्सपो- 2021 में सक्रिय भागीदारी के लिए पुरस्कृत किया गया। श्री समीर पत्री, सहायक प्रबंधक, विपणन पुरस्कार ग्रहण करते हुए ।

यूको बैंक जी. डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला 2020-21

यूको बैंक के संस्थापक स्व. जी. डी. बिड़ला जी की स्मृति में दिनांक 24.03.2021 को अंचल कार्यालय, वाराणसी द्वारा “बैंक में अनुशासन” विषय पर यूको बैंक जी. डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला 2020-21 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता यूको बैंक के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक डॉ. वीरेंद्र प्रसाद सिंह थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक (कार्यावयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र), गाजियाबाद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री घनश्याम परमार, सहायक महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने की। कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री संजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नराकास बैंक वाराणसी के सदस्य, वाराणसी नगर स्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के राजभाषा विभाग के विभाग प्रभारी श्री अमलशेखर करणसेठ, सभी शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री पूनम कुमारी प्रसाद, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा ने किया।

मुख्य वक्ता डॉ. वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने अनुशासन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। अनुशासन एक जीवन शैली है। अनुशासन प्रयास और सफलता के बीच का सेतु है। व्यक्ति की जीवन शैली जितनी अनुशासित होती है, वह व्यक्ति जीवन में उतना ही सफल होता है। सम्पूर्ण सृष्टि ही अनुशासन के अदृश्य धागे में बंधी है। प्रकृति के सभी उपादान स्वतः ही अनुशासित है। किसी बाहरी कारण को उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता नहीं पडती है। प्रकृति अगर अनुशासनहीन हो जाए तो मानव का आस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

अनुशासन प्रयास और सफलता के बीच का सेतु कोई भी संस्था अनुशासन के नियमों से बंधकर ही विकास कर सकती है। कर्मचारियों का समय पर कार्यालय में आना, पूरी निष्ठा एवं साफ नियत से अपना नियत कार्य निष्पादित करना तथा समय पर कार्यालय छोडना अनुशासन का श्रेष्ठ उदाहरण है।

विशिष्ट अतिथि श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक (कार्यावयन) ने अपने व्क्तव्य में भारत सरकार की राजभाषा नीति पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को दैनिक कार्यों में शत प्रतिशत राजभाषा नीति का पालन करने का सुझाव दिया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी कर्मचारियों को अनुशासित जीवन शैली अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। अनुशासित व्यक्ति जीवन में सफलता के श्रेष्ठ शिखर को छूता है। अनुशासन द्वारा ही स्वस्थ समाज एवं देश का निर्माण संभव है।

सहायक महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री घनश्याम परमार जी ने विशिष्ट अतिथि श्री नरेंद्र सिंह मेहरा जी को स्मृतिका भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। श्री घनश्याम परमार जी ने मुख्य वक्ता डॉ. वीरेंद्र प्रसाद सिंह जी को वित्तीय वर्ष 2020-21 का यूको बैंक जी.डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला सम्मान 2020-21 एवं स्मृतिका प्रदान कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

अनुशासन है एक जीवनशैली

वाराणसी। यूको बैंक के संस्थापक स्व. जी डी बिड़ला की स्मृति में अंचल कार्यालय में "बैंक में अनुशासन" विषय व्याख्यानमाला आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता यूको बैंक के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक डा. वीरेंद्र प्रसाद सिंह थे। मुख्य वक्ता डा. वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने अनुशासन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। अनुशासन एक जीवन शैली है। अनुशासन प्रयास और सफलता के बीच का सेतु है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता घनश्याम परमार, सहायक महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने की। कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख संजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नराकास बैंक वाराणसी के सदस्य सचिव प्रमोद बर्मन एवं अन्य सदस्य, वाराणसी नगर स्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि,यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के राजभाषा विभाग के विभाग प्रभारी श्री अमलशेखर करणसेठ,सभी शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री पूनम कुमारी प्रसाद, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा ने किया।

मुख्य वक्ता डॉ. वीरेंद्र प्रसाद सिंह का संक्षिप्त परिचय

जन्म - 1 जनवरी, 1949 (आधिकारिक), ग्राम - टंडवा, जनपद - आजमगढ (उत्तर प्रदेश)

शिक्षा - शास्त्री (1966), प्रथम श्रेणी, प्रथम स्थान, काशी विद्यापीठ (राष्ट्रीय छात्रवृति), एम. ए. (समाजशास्त्र) (1968), प्रथम श्रेणी, प्रथम स्थान, काशी विद्यापीठ (राष्ट्रीय छात्रवृति)

शोध कार्य - (1968-70), आई. आई टी. कानपुर

मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (वित्त) (1983), प्रथम श्रेणी, बी. एच. यू.

कर्मक्षेत्र - 1. व्याख्याता के रूप में काशी विद्यापीठ में समाजशास्त्र विभाग में जुलाई 1970 से 1971 तक कार्य 2. यूको बैंक - दिसंबर, 1971 में परीविक्षाधीन अधिकारी के रूप में कार्यग्रहण से लेकर महाप्रबंधक तक की कार्ययात्रा के उपरांत 31 दिसंबर 2008 को सेवानिवृत्त।

साहित्य सृजन - मालवीय अनुसंधान केंद्र, समाज विज्ञान विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय तथा समाजशास्त्र अध्ययन मंडल, काशी विद्यापीठ, वाराणसी की सामाजिकी में समाज विज्ञान से संबंधित शोधपूर्ण आलेख का प्रकाशन, बैंक में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की दिशा में उल्लेखनीय योगदान, भारतीय रिज़र्व बैंक की पुस्तक लेखन उपसमिति के सदस्य, परीक्षक तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य, हिंदी में बैंकिंग की पुस्तकों के लेखन एवं प्रकाशन में सहयोग। विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में समय - समय पर कविताएं प्रकाशित, जिसमें साहित्य अमृत, साहित्यधर्मिता, पूर्वा, लोकवार्ता, रेणुधरा, महांचल, यूकोभारती, आज "साप्ताहिक" आदि प्रमुख है।
आकाशवाणी के इलाहाबाद, जयपुर, दिली, कोलकाता आदि केन्द्रों से कविताओं का प्रसारण ।

काव्य - पुस्तक - "आस्तित्व ज्यामिति" का 2007 में प्रकाशन, "काव्यमय गीता" का 2020 में प्रकाशन।
पुरस्कार एवं सम्मान - रोटरी क्लब, रेणुकूट द्वारा "विद्या कोठारी साहित्य पुरस्कार " एवं रोटरी "साहित्य भूषण " सम्मान।

भारतीय राजभाषा परिषद , नई दिली द्वारा "राजभाषा गौरव" (2006-07) सम्मान।
विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा हिंदी सेवा एवं सारस्वत साधना हेतु "विद्यासागर" की उपाधि से सम्मानित।
परिभ्रमण - इंग्लेंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, अमेरिका, कनाडा, कंबोडिया, वियतनाम, सिंगापुर, यूएई।

कविता

हे दयानिधे! रथ रोको अब

हे दयानिधे !

रथ रोको अब,

क्यों प्रलय की तैयारी है ?

ये बिना शस्त्र का युद्ध है जो,
महाभारत से भी भारी है !!

नैना रोते रोते सूखे,
अब नीर कहाँ इन आँखों में !!

परवाज पे जिनकी गर्व बड़ा,
अब जान कहाँ इन आंखों में !!

अपने भी साथ नही अपने,

जंग जीवन से यूँ जारी है ,
ये बिना शस्त्र का युद्ध है
जो महाभारत से भी भारी है !!

हमने खुद को यूं बसा लिया,
वैज्ञानिकता की बांहों में।

अवरोध खड़े कर दिए बड़े,
हर एक दूजे की राहों में।।
धरती माता का दोहन तो कर लिया
गगन की बारी है।
ये बिना शस्त्र का युद्ध है
जो महाभारत से भी भारी है।।

जिन मुश्किल से गुजर रहे,
ये खेल हमारे अपने हैं ।
जीवन अनमोल बिका जिन पर
कुछ चंद सुखों के सपने हैं ।।

हर ओर तमस दिखता है अब,
भय में हर रात गुजारी है ।
ये बिना शस्त्र का युद्ध है
जो महाभारत से भी भारी है!!!
कितने परिचित-कितने अपने-
कितने आखिर यूँ चले गए।

जिन हाथों में दौलत-संबल,
सब क्रूर काल से छले गए !!

हे राघव-माधव-मृत्युंजय,
पिघलो ये अर्ज हमारी है !!
ये बिना शस्त्र का युद्ध है
जो महाभारत से भी भारी है !!

अनजान

अनोखा गाँव

माधोपट्टी गाँव

वाराणसी अंचल स्थित जौनपुर जनपद के माधोपट्टी गाँव के लगभग हर एक घर में आईएएस एवं आईपीएस है। इस गाँव ने पूरे देश को इतने आईएएस एवं आईपीएस दिए हैं, जितने भारत के किसी अन्य गाँव ने शायद ही दिए हों। यहां कहावत मशहूर है कि "यहां की मिट्टी इतनी उपजाऊ है, जिससे सिर्फ आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी ही पैदा होते है"। देश में इस गाँव की पहचान अफसरों वालेगांवके रूप में स्थापित हो चुकी है। 75 घरों वाले इस गाँव में मौजूदा समय में 51 अधिकारी हैं, जो देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस गाँव के होनहार युवक इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन), विश्व बैंक और अन्य विभागों के उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

गाँव के युवकों में प्रतियोगी परीक्षाओं में आने की होड अंग्रेजों के जमाने से ही शुरू हो गई थी। 1914 में गाँव के युवक मुस्तफा हुसैन पीसीएस में चयनित हुए थे। इसके बाद 1952 में इंदू प्रकाश सिंह का आईएसएस की 13वीं रैंक पर चयन हुआ। आईएसएस इंदू प्रकाश सिंह इंग्लैंड सहित दुनिया के कई देशों में भारत के राजदूत भी रहें। इसके बाद यह सिलसिला चल निकला जो अब तक चल रहा है। माधोपट्टी गाँव के बेटों ने ही नहीं बेटियों ने भी आईएएस एवं आईपीएस में अपना योगदान दिया है। गाँव की मिट्टी में पलने वाला हर युवा आज अधिकारी बनना चाहता है, जिसकी शुरूआत पाठशाला में ही हो जाती है।

कारोबारी गतिविधियां

फरवरी, 2021 माह में वाराणसी अंचल में यूको होम फेस्ट योजना के तहत कुल 6 करोड़, 48 लाख के 28 गृह ऋण खातें खोले गए।

मार्च, 2021 माह में वाराणसी अंचल में में न्यू ईयर बोनांजा योजना के तहत कुल 7 करोड़ 74 लाख के 33 गृह ऋण खातें खोले गए।

"यूको कार फेस्ट"

फरवरी, 2021 माह में वाराणसी अंचल में यूको कार फेस्ट योजना के तहत कुल 3 करोड़ 78 लाख के 49 वाहन ऋण खातें खोले गए।

मार्च, 2021 माह में वाराणसी अंचल में न्यू ईयर बोनांजा योजना के तहत कुल 2 करोड़ 96 लाख के 38 वाहन ऋण खातें खोले गए।

कविता

मैं बुद्ध होना चाहती हूँ

सबा तरन्नुम
प्रबंधक
महमूरगंज शाखा

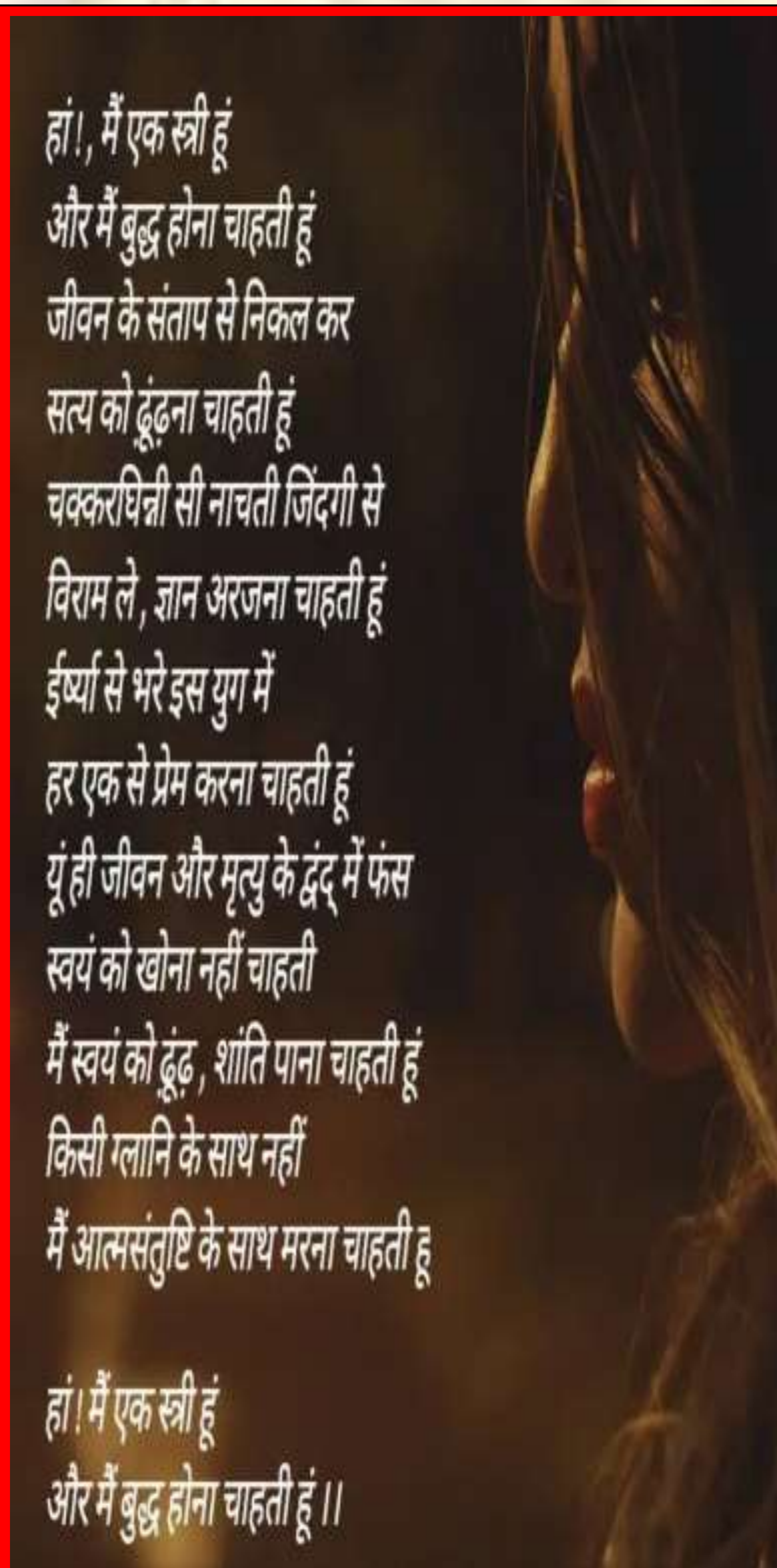

बैंकिंग उत्पाद

MODES OF CAPTURING EMAIL ID

THROUGH DIGITAL CHANNEL

- ***SMS*** (Customers will send SMS from their registered mobile number to **9223222000** in the format: **EMAIL<space><valid email id>**.)
- ***MISSED CALL*** (Customers will give a missed call from their registered mobile number to **9223222000**, following which a link will be sent to customer's mobile through SMS).
- ***M-BANKING APP***
- ***WEBSITE***
- ***E-BANKING***

विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली

वाराणसी में हजारों वर्षों से विश्व प्रसिद्ध चिता की भस्म से अनोखी होली खेली जाती है जो मसाने की होली के नाम से जानी जाती है और पूरे विश्व में केवल काशी में ही खेली जाती है। मान्यता के अनुसार, रंगभरी एकादशी के दिन भगवान शिव, माता पार्वती के साथ गौना कर काशी आए थे। इसी खुशी में काशीवासी, भगवान शिव के गण व जनमानस और बारातियों को अबीर गुलाल से सराबोर किया गया था। इसी परम्परा की कड़ी में रंगभरी एकादशी को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के महंत आवास से गर्भगृह तक रजत प्रतिमा की पालकी निकाली जाती है। ढोल नगाड़ों और संगीत के बीच हर-हर महादेव के उद्घोष पर उत्सव मनाया जाता है।

वहीं रंग एकादशी के दूसरे दिन काशी में स्थित श्मशान पर भी चिताओं की भस्मी के साथ होली खेलने की भी एक अनूठी परंपरा है जो सारी दुनिया मे सिर्फ काशी में ही देखने को मिलती है। इसके संबंध में एक मान्यता यह है कि जब बाबा विश्वनाथ मां पार्वती का गौना करने के लिए आये थे तो उनके साथ भूत, प्रेत, पिशाच, यक्ष गन्धर्व, किन्नर जीव जंतु आदि नहीं थे, जिनके लिए श्मशान पर चिताओं की भस्मी से होली खेले जाने की परंपरा को बनाया गया जिसका निर्वहन आज तक काशी की धरती पर किया जाता है।

काशी के मणिकर्णिका घाट पर जलती चिताओं के बीच पदम् विभूषण पंडित छन्नू लाल मिश्र के शास्त्रीय गायन **'खेले मसाने में होरी दिग्मबर खेले मसाने में होरी'** की धुन पर जहां साधु सन्यासी सहित काशीवासी श्मशान में होली खेलते हैं। ये काशी का वो घाट है जहां चिता की आग शांत नहीं होती लेकिन साल में एक ऐसा भी दिन आता है जब काशी के लोग यहां आकर इन चिताओं की राख से होली खेलते हैं।

रंगभरी एकादशी के दूसरे दिन ये यहां आकर बाबा श्मशान नाथ की आरती कर चिता से राख की होली शुरू करते हैं। ढोल और डमरू के साथ ये श्मशान हर हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान हो जाता है और श्मशान घाट पर चिता भस्म से होली खेली जाती है। कहा जाता है कि इस होली के खेलने वाले शिवगण के साथ भगवान शिव होली खेलते हैं और इस राख से तारक मंत्र प्रदान करते हैं।

संस्कृत भाषा में वकालत करने वाले वाराणसी की शान अधिवक्ता आचार्य पंडित श्यामजी उपाध्याय

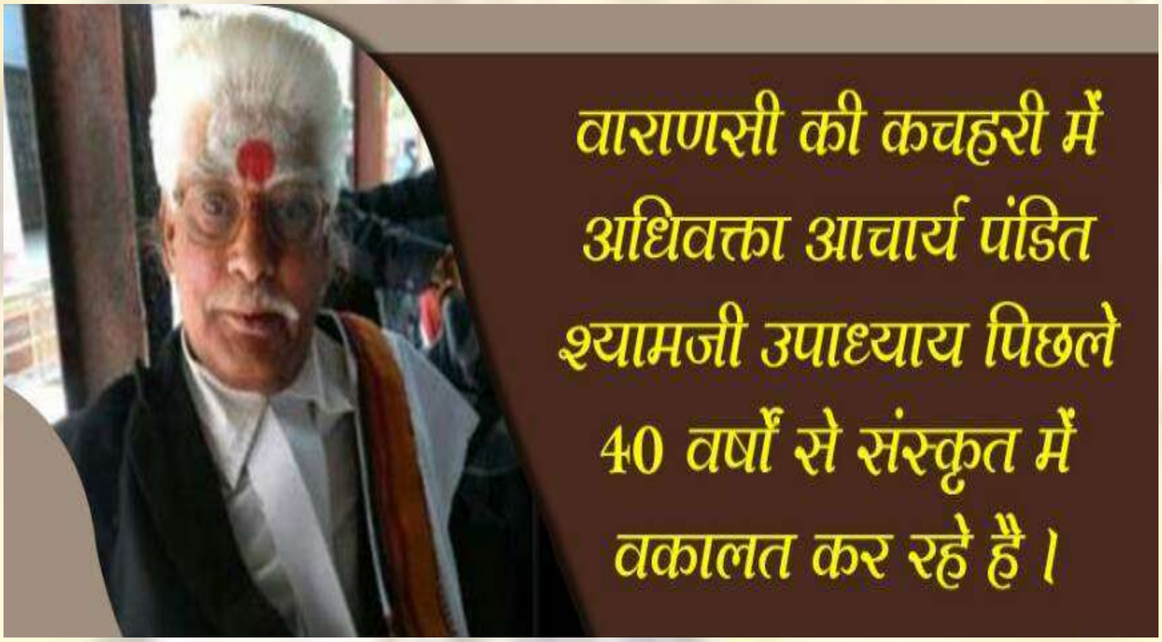

संस्कृत भाषा को नई पहचान दिलाने के लिए वाराणसी के अधिवक्ता आचार्य श्यामजी उपाध्याय जी ने 40 वर्षों से अनोखी मुहिम छेड रखी है। आचार्य श्यामजी उपाध्याय भारत के ऐसे एकमात्र वकील हैं जो अपना सारा मुकदमा संस्कृत में ही लड़ते हैं। न्यायालय में वकालतनामा पेश करने की बात हो या शपथपत्र, प्रार्थनापत्र, दावा और वकालतनामा आदि जमा करने की बात हो, आचार्य श्यामजी उपाध्याय यह सभी काम संस्कृत भाषा में ही करते हैं। इतना ही नहीं, आचार्य जब कोर्ट में संस्कृत भाषा में जिरह करने लगते हैं तो विरोधी वकील के पास कोई जवाब नहीं होता है। आचार्य श्यामजी उपाध्याय की मानें तो वह 40 साल से संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इसी वजह से वे संस्कृत में ही मुकदमा लड़ते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से देववाणी के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकता है।

श्री श्याम उपाध्याय जी मूल रूप से मिर्जापुर के निवासी हैं। श्री श्याम उपाध्याय जी संस्कृत में आचार्य और बीएएलएलबी है। वह 1978 से वकालत कर रहे हैं। आचार्य श्याम को संस्कृत की प्रारंभिक जानकारी उनके पिता स्वर्गीय संगठा प्रसाद उपाध्याय से ही मिली। घर में संस्कृत के प्रति लोगों में अधिक लगाव था।

संस्कृत के प्रति प्यार और बचपन के दिनों को याद करते हुए आचार्य श्यामजी उपाध्याय ने बताया कि एक बार अपने पिता के साथ कहीं जा रहे थे । रास्ते में पिताजी को कुछ लोग मिल गए और सभी आपस में भोजपुरी में बात करने लगे । इसी दौरान उनके पिता ने लोगों से कहा कि जिस तरीके से हम भोजपुरी में बात कर रहे हैं क्या हम वैसे ही संस्कृत में बात नहीं कर सकते? यह बात भले ही उनके पिता के साथ वालों को समझ में आई या नहीं आई लेकिन आचार्य श्याम उपाध्याय के दिल में यह बात उतर गई। दिल में संस्कृत में शिक्षा हासिल

करने की इच्छा लिए श्यामजी उपाध्याय अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से बौद्ध दर्शन में आचार्य हासिल किया। अपने गुरु के कहने पर उन्होंने पहले अध्यापन का काम किया। हालांकि श्याम उपाध्याय कुछ और करना चाहते थे। यही कारण था कि उन्होंने बाद में गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध हरिश्चंद्र महाविद्यालय से बीएएलएलबी की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने 1978 से संस्कृत भाषा में ही मुकदमा लड़ना शुरू किया जो आज तक जारी है।

एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में आचार्य श्यामजी उपाध्याय ने बताया “बचपन में मैंने अपने पिता से सुन रखा था कि कचहरी में सारा कामकाज हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा में होता है, संस्कृत का प्रयोग नहीं होता। तभी मैंने अपने मन में ये बात बैठा ली थी कि मैं वकील बनूंगा और कचहरी का सारा कामकाज इसी भाषा में करूंगा।

श्याम अपनी वकालत के जरिए कई बड़े-बड़े मुकदमे को सुलझा चुके हैं। जब वे संस्कृत में दलीलें पेश करते हैं तो सामने वाले वकीलों की बोलती बंद हो जाती है। संस्कृत के प्रति आचार्य श्यामजी के अगाध प्रेम को देखते हुए भारत सरकार की ओर से भी उन्हें सम्मानित किया गया है। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी ने देश भर के 25 संस्कृत मित्रों को पुरस्कृत किया था जिसमें आचार्य श्यामजी उपाध्याय भी शामिल थे।

यूको राजभाषा सम्मान एवं यूको मातृभाषा सम्मान 2020-21

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, वाराणसी द्वारा दिनांक 31.03.2021 को यूको राजभाषा सम्मान एवं यूको मातृभाषा सम्मान समारोह 2020-21 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री रामनरेश तिवारी (पिंडीवासा), सेवानिवृत्त आई. ए. एस.,जिला प्रबंधक/उपमहाप्रबंधक (सेवानिवृत्त) खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्रालय, भारत सरकार सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति, सदस्य, क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, प्रयागराज थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री घनश्याम परमार, सहायक महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने की। कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री संजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नराकास बैंक वाराणसी के सदस्य, वाराणसी नगर स्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, सभी शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री पूनम कुमारी प्रसाद, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया गया था।

कार्यक्रम में यूको मातृभाषा सम्मान के तहत वर्ष 2020 में उत्तर प्रदेश सिविल सेवा की परीक्षा हिंदी माध्यम से उत्तीर्ण करने वाले शीर्ष **दो अभ्यर्थियों श्री गोपाल शर्मा, उप जिलाधिकारी (प्रशिक्षु) तथा श्री विपिन कुमार शिवहरे उप जिलाधिकारी (प्रशिक्षु)** को रु. 5000/- की नकद राशि एवं स्मृतिका से सम्मानित किया गया।

यूको राजभाषा सम्मान के तहत वर्ष काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से हिंदी स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शीर्ष दो विद्यार्थियों **श्री सव्यसाची मिश्र (प्रथम स्थान, 83%) एवं सुश्री सौम्या वर्मा (द्वितीय स्थान, 79.9%)** को रु. 5000/- की नकद राशि एवं स्मृतिका से सम्मानित किया गया।

मुख पृष्ठ के बारे में

यूको बैंक, प्रधान कार्यालय द्वारा जारी कोरोना वायरस से बचाव हेतु मास्क पहनने की अनिवार्यता को दर्शाता ई - पोस्टर।

स्टाफ सदस्यों हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

- कोरोना संक्रमण में आई तेजी को देखते हुए स्टाफ सदस्य मास्क पहनना, सेनिटाइजर का उपयोग, सामाजिक दूरी एवं अन्य सावधानियों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें।
- सभी स्टाफ सदस्य कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु अनिवार्य रूप से टीका लगवाना सुनिश्चित करें।
- बैंकिंग कारोबार के दौरान ग्राहकों से अपेक्षित दूरी बनाएँ रखें।
- फ्रांटलाइन स्टाफ सदैव दस्ताने (Gloves) का प्रयोग करें।
- बाहर के खाद्य पदार्थ खाने - पीने से पूरी तरह से बचें।
- ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग करने हेतु प्रोत्साहित करें।
- एटीएम में नकदी की उपलब्धता 24x7 होनी चाहिए।

"हमें मिलकर कोरोना श्रृंखला को खत्म करना है।"

धन्यवाद

तमसो मा ज्योतिर्गमय